जुआन बोबो और सोने का थैला

पुनर्कथन : वर्जीनिया, चित्र : जेसी

जुआन बोबो और सोने का थैला

पुनर्कथन : वर्जीनिया, चित्र : जेसी

एक बार जुआन नाम का एक लड़का था। वो अपनी मां के साथ शहर के बाहर एक छोटे से घर में रहता था। जुआन और उसकी माँ अमीर नहीं थे, लेकिन वे बहुत खुश थे।

जुआन एक अच्छे दिल का लड़का था। वो लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करने की भरपूर कोशिश करता था। वो वही करने की कोशिश करता जो उसकी माँ उससे करने को कहती थीं। लेकिन हर बार वो किसी उलझन में फंस जाता था। अक्सर वो जो चाहता था उसका बिल्कुल उल्टा होता था। अक्सर वो ऐसी मूर्खतापूर्ण बातें करता था कि अब सब कोई उसे जुआन बोबो यानि "मूर्ख जॉन" कहने लगे थे।

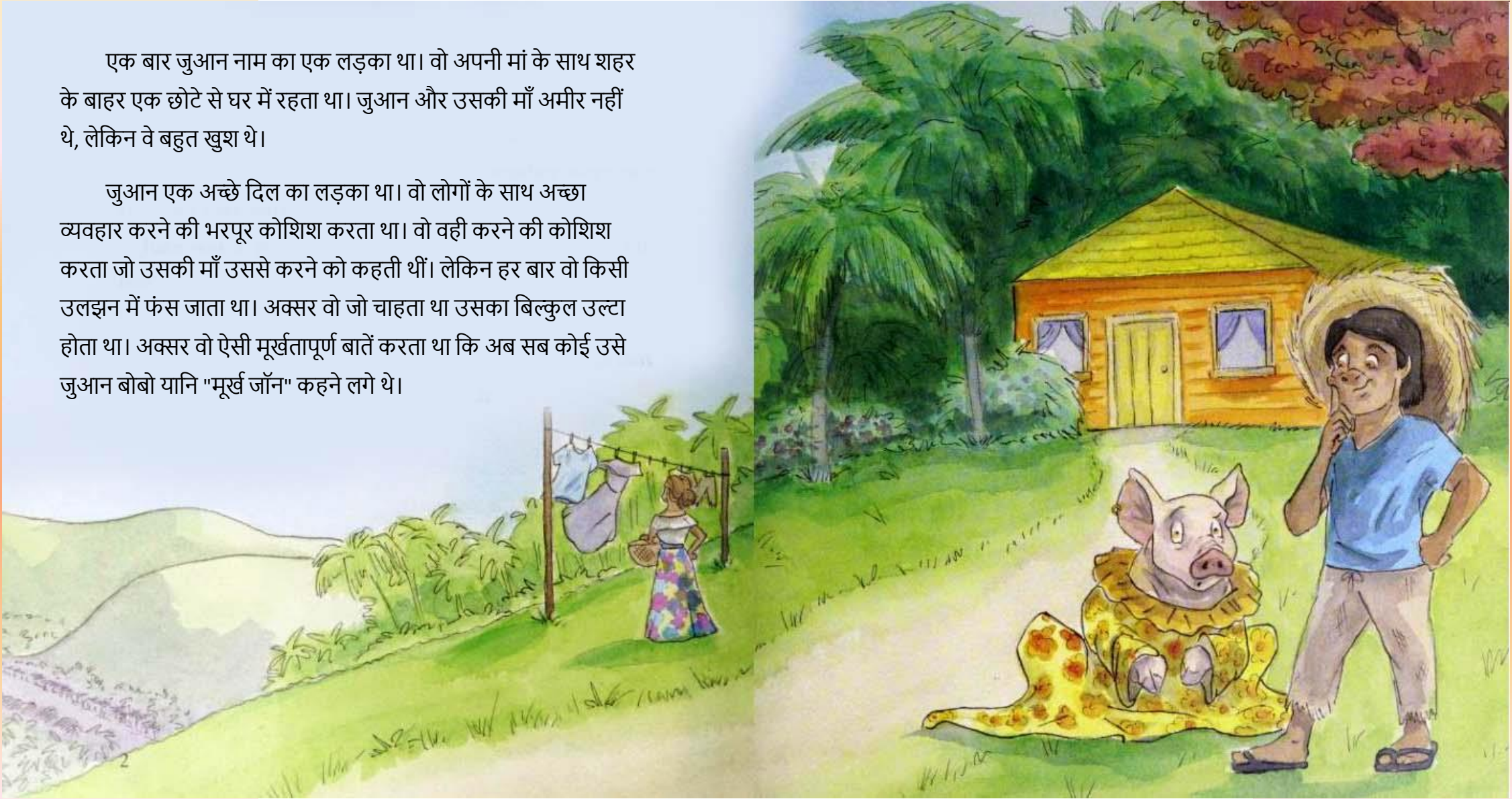

एक दिन, जुआन बोबो की माँ ने उससे कहा। "तुम्हें बाजार जाना चाहिए," माँ ने कहा। "जाओ, जाकर एक मुर्गी को बेच दो। और फिर उन पैसों से एक आलू की बोरी खरीदकर लाओ। और याद रखना, मिलने पर हर किसी से विनम्रता से बात करना।"

"ठीक है माँ," जुआन ने कहा।

फिर जुआन मुर्गी लेकर बाजार के लिए निकल पड़ा। चलते समय उसने एक खुशी का गीत गुनगुनाया। जल्द ही वह एक शादी हाल से बाहर निकलने वाले लोगों के एक समूह से मिला। दूल्हा-दुल्हन अपने परिवार और दोस्तों के साथ घूम रहे थे।

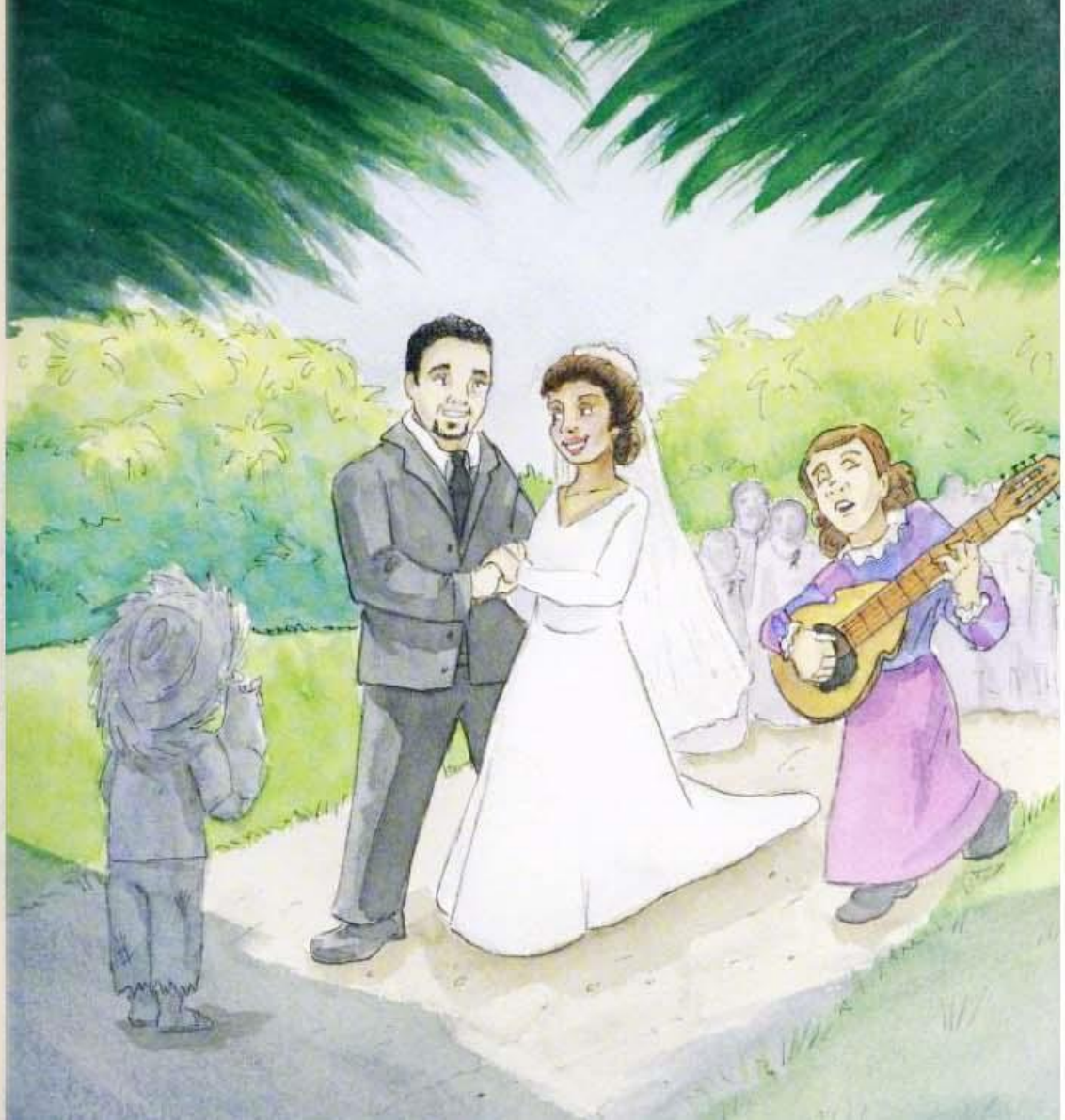

जुआन को वो मौका याद आया जब वो किसी के अंतिम संस्कार में गया था। मां ने उसे शोकग्रस्त परिवार से बात करने और उन्हें सांत्वना देने का विनम्र तरीका बताया था। जुआन ने उन्हीं शब्दों से नए दूल्हा-दुल्हन का अभिवादन किया।

"मुझे आपके लिए बहुत खेद है," जुआन ने कहा।

वो सुनकर दूल्हा-दुल्हन इतने गुस्सा हुए कि उनके चेहरे लाल हो गए।

"देखो, यह बात करने का कोई तरीका नहीं है!" उन्होंने कहा। "अगली बार, तुम्हें अपनी ख़ुशी ज़ाहिर करनी चाहिए, अपनी टोपी लहरानी चाहिए और कहना चाहिए, "बधाई।"

"धन्यवाद," जुआन ने कहा। "आपने जैसा मुझे बताया है अगली बार मैं वैसा ही करूंगा।"

फिर जुआन बोबो अपने रास्ते पर आगे बढ़ा। चलते-चलते उसने एक ख़ुशी के गीत की धुन बजाई। जल्द ही वो कुछ लोगों के एक समूह से मिला। वो कसाई और उसके बेटे थे। वे बाजार से घर जा रहे थे। बाजार से उन्होंने कुछ मोटे-मोटे सूअर खरीदे थे।

जुआन बोबो को याद आया कि दूल्हा-दुल्हन ने उसे क्या बताया था। उसने अपनी टोपी लहराई और ज़ोर से पुकारा, "बधाई हो!"

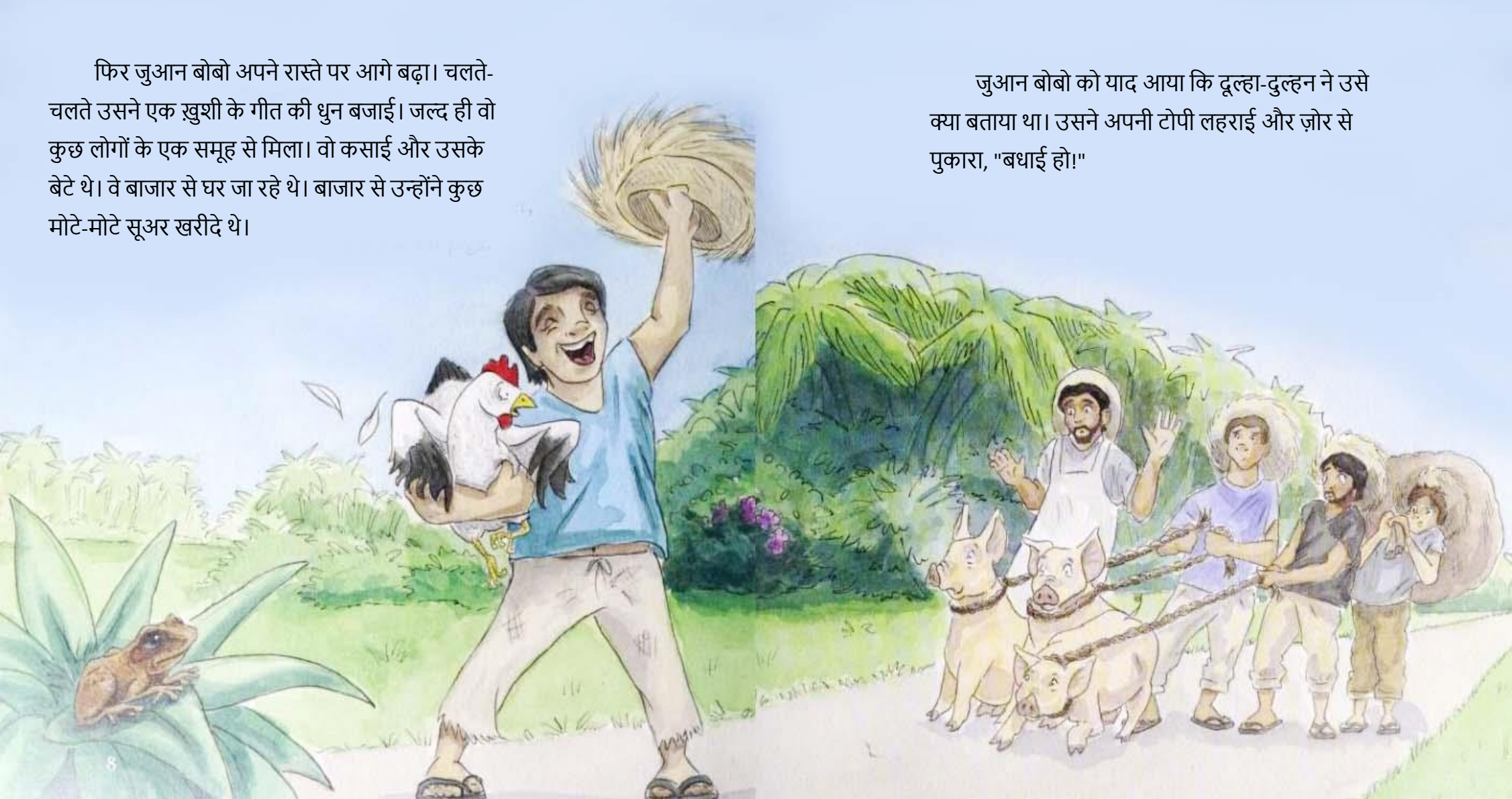

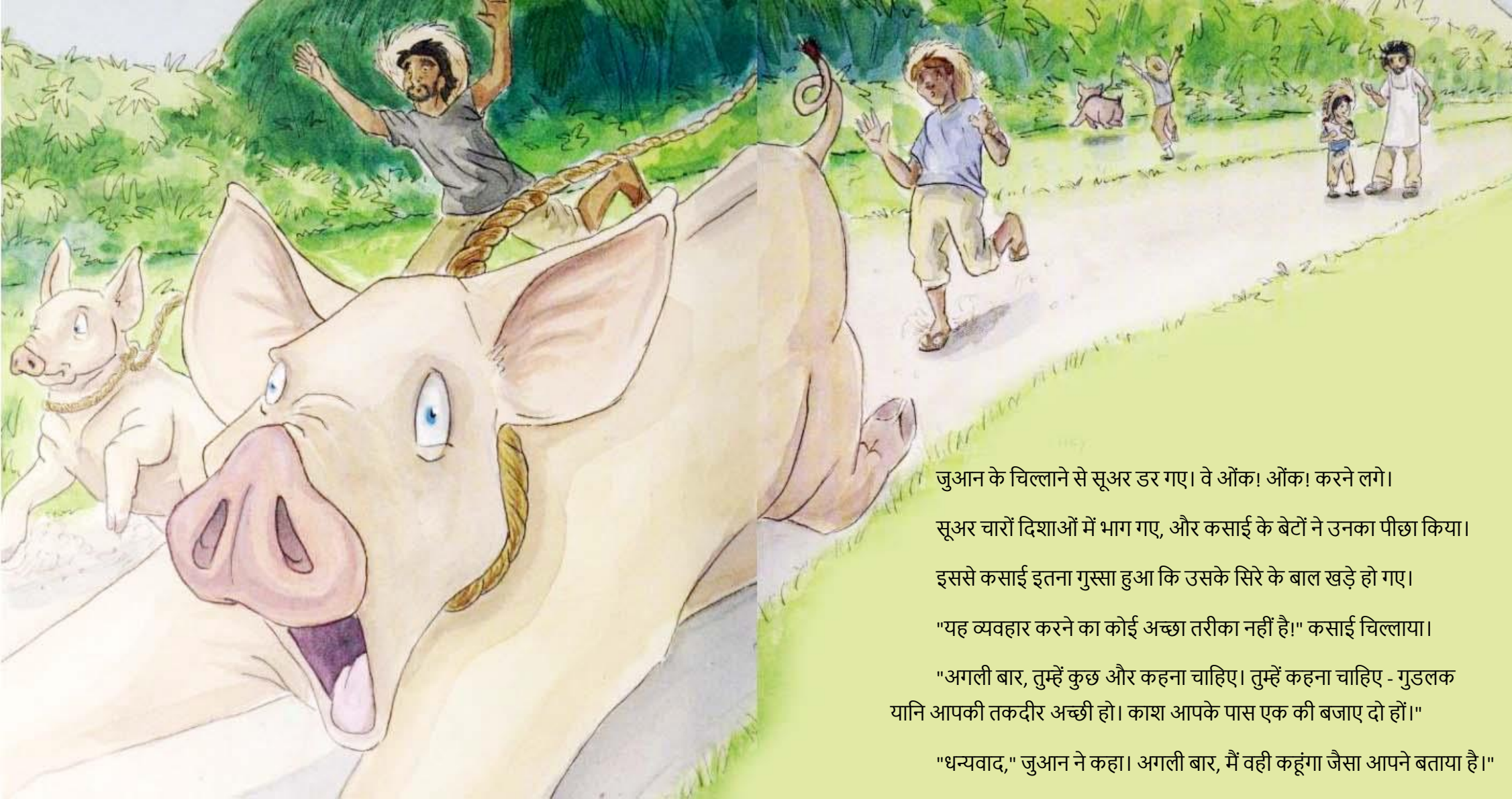

जुआन के चिल्लाने से सूअर डर गए। वे ओंक! ओंक! करने लगे।

सूअर चारों दिशाओं में भाग गए, और कसाई के बेटों ने उनका पीछा किया।

इससे कसाई इतना गुस्सा हुआ कि उसके सिरे के बाल खड़े हो गए।

"यह व्यवहार करने का कोई अच्छा तरीका नहीं है!" कसाई चिल्लाया।

"अगली बार, तुम्हें कुछ और कहना चाहिए। तुम्हें कहना चाहिए - गुडलक यानि आपकी तकदीर अच्छी हो। काश आपके पास एक की बजाए दो हों।"

"धन्यवाद," जुआन ने कहा। अगली बार, मैं वही कहूंगा जैसा आपने बताया है।"

फिर जुआन बोबो अपने रास्ते पर आगे बढ़ा। चलते-चलते उसने एक धुन गुनगुनाई। जल्द ही उसे एक किसान दिखा। किसान अपने खेत में काम कर रहा था, और वो मिट्टी से खरपत खींचकर बाहर निकाल रहा था।

जुआन बोबो को याद आया कि कसाई ने उससे क्या कहा था। "आपकी तकदीर अच्छी हो," जुआन ने कहा। "भगवान, आपको एक की बजाए दो खरपत दे।"

यह सुनकर किसान इतना पागल हुआ कि उसकी कमीज के बटन फट गए। "मुझे और खरपत नहीं चाहिए!" वो चिल्लाया। "अगली बार, तुम्हें ऐसी मूर्खतापूर्ण बात नहीं कहनी चाहिए। उनकी बजाए तुम्हें लोगों की मदद करनी चाहिए।"

"धन्यवाद," जुआन ने कहा। "अगली बार मैं वही कहूंगा जो आपने मुझे बताया है।"

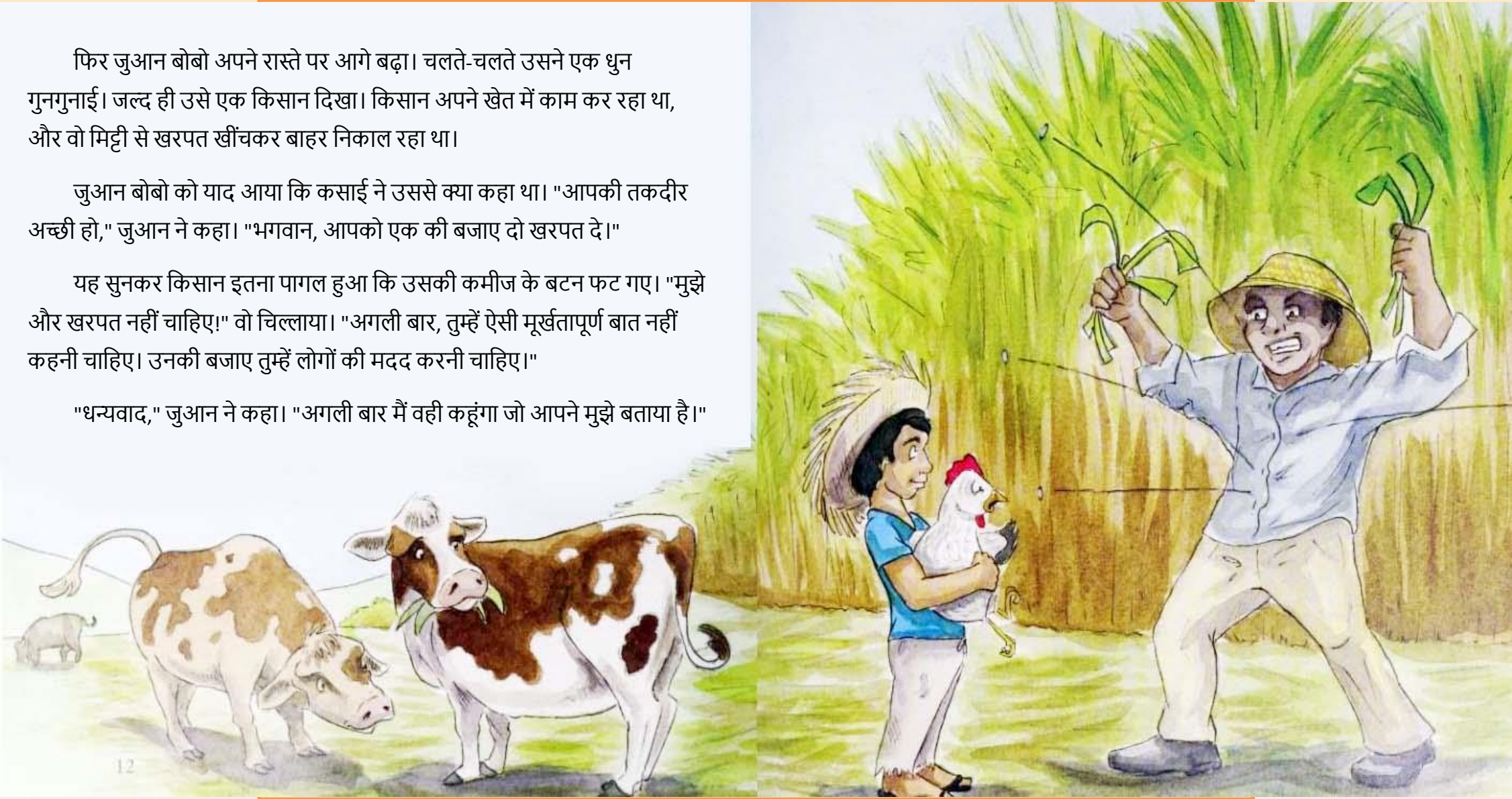

फिर जुआन बोबो अपने रास्ते चला। चलते-चलते वो नाचता रहा। जल्द ही उसने दो आदमियों को सफेद टोपी में देखा। वे बीच सड़क पर लड़ रहे थे। जुआन को याद आया कि किसान ने उससे क्या कहा था। वह दौड़कर उन आदमियों के पास गया। "मैं आपकी मदद करूँगा!" उसने कहा।

आदमियों ने लड़ना बंद कर दिया। अब लड़ने की बजाए वे हंसने लगे। वे इतनी जोर से हँसे कि उन्हें पसीना आ गया और फिर उन्होंने अपनी टोपियों से खुद को पंखा किया।

"तुम्हें ऐसी मूर्खतापूर्ण बातें नहीं कहनी चाहिए," उन्होंने लड़के से कहा। "अगली बार, तुम कहना सज्जनों, कृपया आपस में लड़ाई न करें!"

"धन्यवाद," जुआन ने कहा। "अगली बार, मैं वही करूंगा जैसा आपने मुझे बताया है।"

अंत में जुआन बोबो बाजार में पहुंचा। उसने अपनी मुर्गी बेची और आलू की एक बोरी खरीदी। फिर वो शहर में चारों ओर घूमता रहा, और अद्भुत स्थलों का आनंद लेता रहा।

फिर उसने एक कुम्हार देखा। वो एक सुंदर फूलदान बनाने के लिए मिट्टी को आकार दे रहा था। "काश, माँ के लिए उस फूलदान को खरीदने के लिए मेरे पास पर्याप्त पैसे होते," जुआन ने कहा।

फिर उसने एक टोकरी बनाने वाले को देखा। वो एक सुंदर टोकरी बुन रहा था। जुआन ने आह भरी। "काश मैं माँ के लिए एक सुन्दर टोकरी खरीद पाता।"

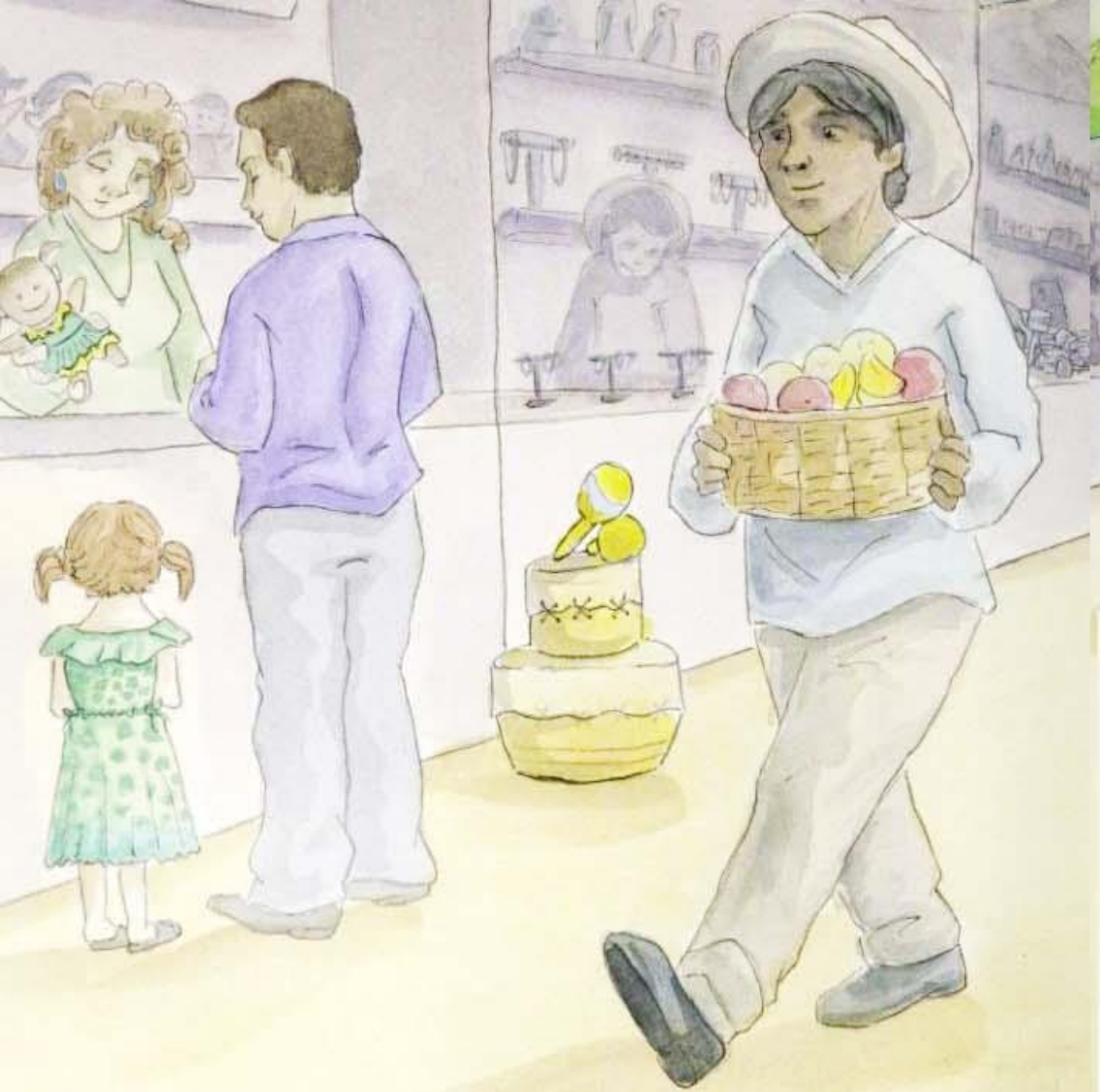

बाज़ार में एक टेबल पर खिलौनों और
गुड़ियों के ऊँचे ढेर सज़े थे।

वहां वाद्ययंत्र और ढोल थे। कंगन और अंगूठियां थीं।
बड़े और डरावने मुखौटे और लकड़ी की छोटी मूर्तियाँ थीं।

वहां खाने की बहुत सारी अच्छी चीजें बिक रही थीं। स्वादिष्ट
खाने को देखकर जुआन के पेट में चूहे कूदने लगे। "काश मैं सब
कुछ खरीद पाता!" जुआन ने खुद से कहा।

अब शाम होने को आई थी। घर जाने का समय हो गया था। जुआन बोबो आलू की बोरी को घसीटते हुए धूल भरी सड़क पर आगे चला।

वो बोरी काफी भारी थी। बोरी ढोते-ढोते जुआन थक गया था। मैं एक झपकी क्यों नहीं लेता, सिर्फ एक झपकी?

खुद सुरक्षित रहने के लिए जुआन एक पेड़ पर चढ़ गया। वो एक बड़ी, पत्तेदार शाखा पर लेट गया। फिर उसने अपना सिर आलू की बोरी पर टिकाया और गहरी नींद सो गया।

जब जुआन सो रहा था, तब काले बादलों ने सूरज को ढंका। गरज और गड़गड़ाहट के साथ तेज़ बारिश हुई। तभी तीन आदमी पेड़ के नीचे शरण लेने के लिए दौड़े। वे तीनों चोर-लुटेरे थे, और उनके पास चुराए गए सोने के सिक्कों का एक थैला था।

लुटेरों के मुखिया ने थैला खोला। "चलो देखते हैं हमें आज कितने सिक्के मिले!"

"तुम इन्हें नहीं गिनोगे!" दूसरा लुटेरा चिल्लाया। "इन्हें मैं गिनूंगा!" तीसरा आदमी चिल्लाया।

"चुप रहो! मैं तुम्हारा लीडर हूँ!" मुखिया दहाड़ा।

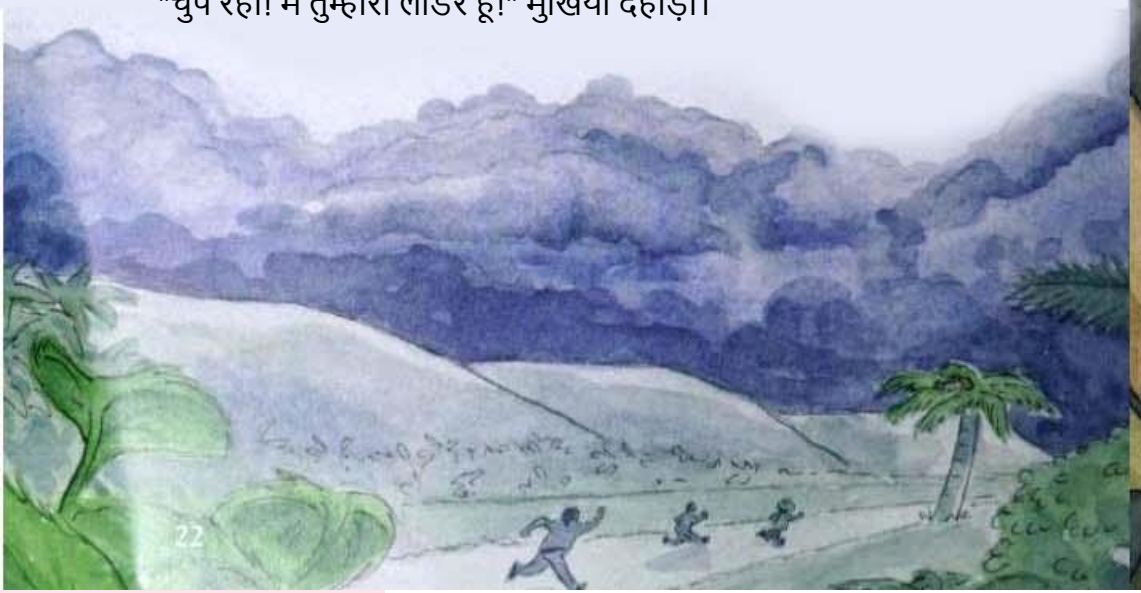

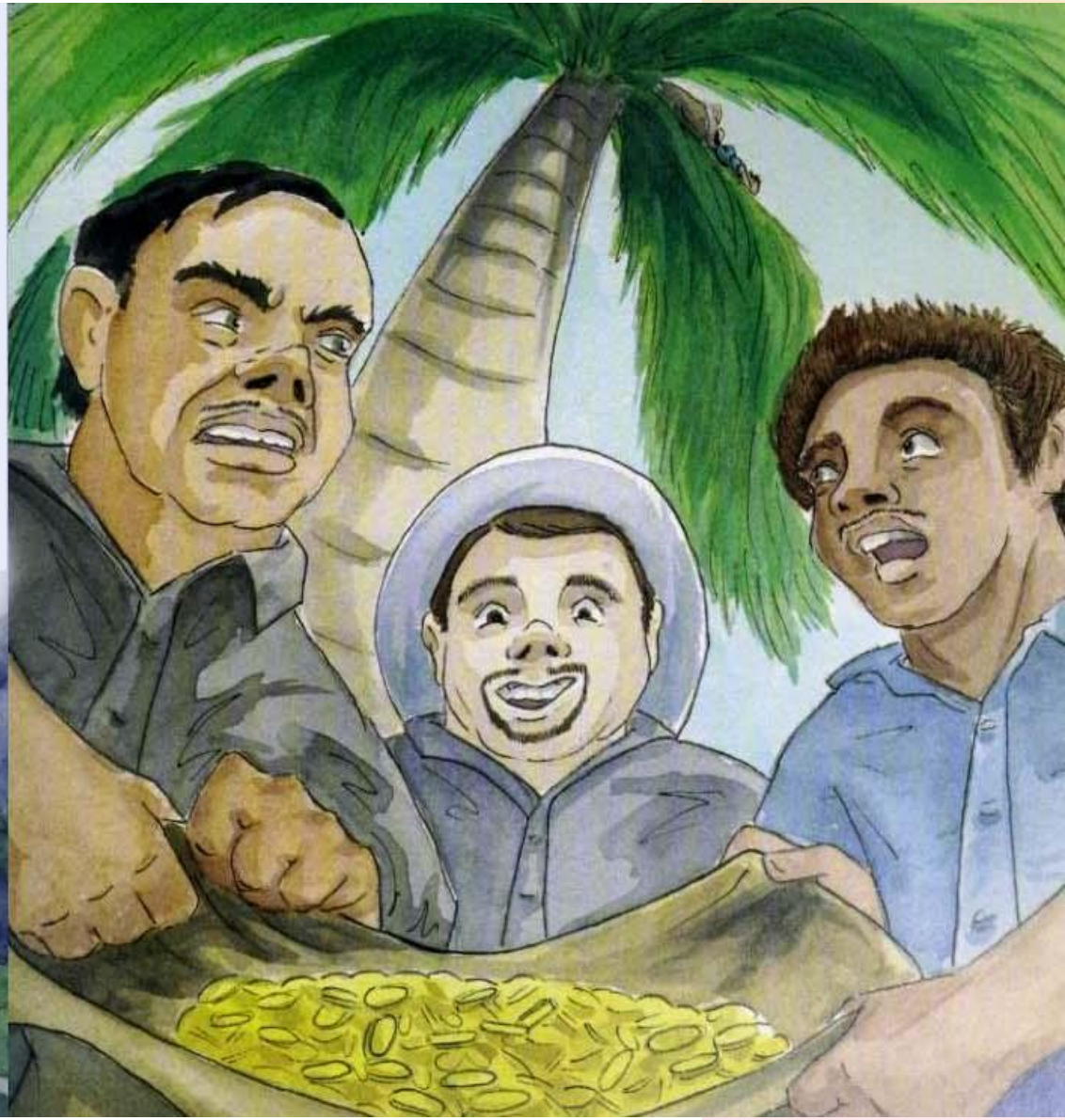

उनकी तेज आवाजों ने जुआन बोबो को जगा दिया। वो इतनी तेजी से पलटा कि आलू की बोरी फट गई। उसने पेड़ के नीचे तीनों चोरों को देखा। उसे याद आया कि सफेद टोपी वाले आदमियों ने उससे क्या कहा था।

"सज्जनों, कृपया आपस में मत लड़ो!" जुआन चिल्लाया.

लुटेरों ने आकाश से एक आवाज सुनी। बड़े, मोटे, भारी वर्षा के ओलों की तरह उनके सिर पर आलू बरस पड़े! "अरे बाप रे! तूफान का देवता हमें दण्ड देने आए हैं!" वे चिल्लाया। फिर वे अपनी लूट का थैला पीछे छोड़कर वहां से भाग गए।

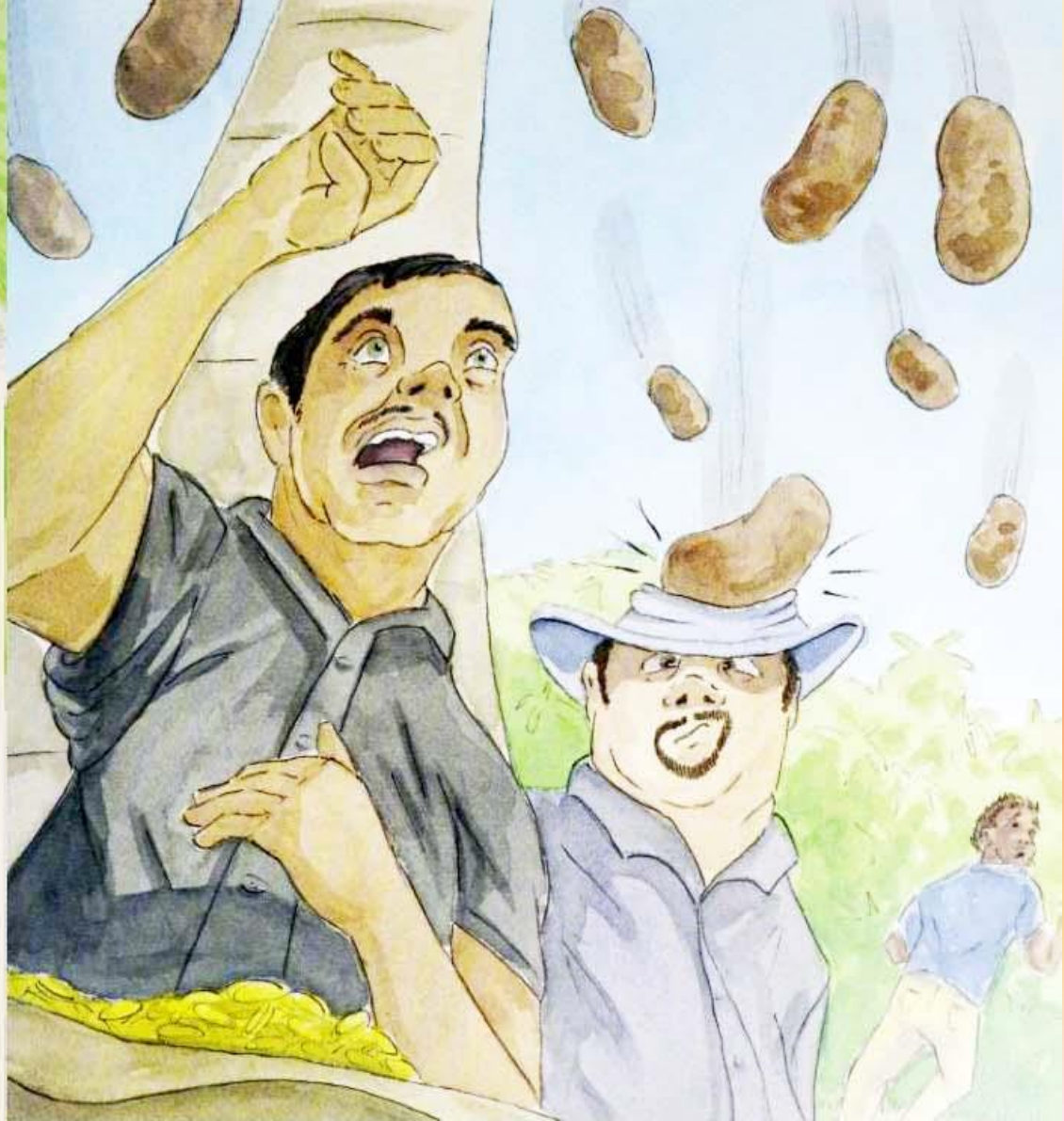

जुआन बोबो पेड़ से नीचे उतरा। उसने आलुओं की तरफ देखा। फिर उसने सोने की ओर देखा। उसने लुटेरों के थैले में सोने के सिक्के भरे और घर चला गया।

"क्या तुम आलू लाए हो?" उसकी माँ ने पूछा।

"नहीं, माँ। लेकिन मैं उनके बदले कुछ और लाया हूँ।"

जुआन की माँ ने बैग में देखा। उनकी आँखें आश्चर्य से बड़ी और गोल हो गईं। "तुम्हें इतना सारा सोना कैसे मिला?"

"वो काफी आसान था," जुआन ने कहा। "मैंने वही किया जो आपने मुझसे करने को कहा था। मैं हर किसी से बहुत प्रेम से मिला।"

और उस दिन से, जुआन बोबो और उसकी माँ को फिर कभी पैसों की कमी नहीं हुई.